सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 173 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 28 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

आप मित्र बदल सकते हैं पर पड़ोसी नहीं।
-अटल बिहारी वाजपेयी

भारत ने 7 बार 350+ रन करने का... 7 | 'सर' होगा विस चुनाव पर गहरा... 3 | बिजली पर अखिलेश यादव का... 2

सुप्रीम कोर्ट में हलचल भरा दिन

मतदाता प्रकाशन सूची पर रोक लगाने से 'सुप्रीम' इंकार

» मंत्री विजय शाह को कड़ी फटकार, मंशा पर सवाल

» श्री बांके बिहारी मंदिर मामले में चीफ जस्टिस तय करेंगे बेंच

» जस्टिस वर्मा कैश कांड, जज सार्वजनिक बहस का हिस्सा नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज का दिन भारत के सर्वोच्च न्यायालय में बेहद हलचल भरा और संवेदनशील मामलों से भरा रहा। अलग-अलग राज्यों से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई ने देशभर की कानूनी, राजनीतिक और धार्मिक हलचलों को प्रभावित किया। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अहम मामला एसआईआर पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 1 अगस्त को होने वाले इसके प्रकाशन पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है। वहीं मध्य प्रदेश के वन मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिये गये बयान पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाते हुए उनकी मंशा को संदेह के घेरे में रखा।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान मंत्री विजय शाह को फटकार लगाते हुए कहा कि आप हमारे धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। श्री बांके बिहार मंदिर मामले पर पर सीजेआई बेंच तय करेंगे। वहीं जस्टिस वर्मा कैश कांड पर सुनवाई के दौरान आज जस्टिस वर्मा से सवाल पूछे गये। बिहार की मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन पर रोक लगाने की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि चुनावी प्रक्रिया के इस अहम हिस्से को बाधित नहीं किया जा सकता, और 1 अगस्त को प्रस्तावित मतदाता सूची का प्रारूप निर्धारित समय पर प्रकाशित होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी को गति मिलेगी। 1 अगस्त को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित होगा, और

> "कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि आपकी लिस्ट वाले पेपर भी निर्णायक नहीं हैं। कोर्ट ने आयोग से पूछा कि क्या वो आधार कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र स्वीकार करेगा।"

इसके बाद दावा-आपत्ति की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। फैसले के बाद बिहार की राजनीति गर्म हो गयी है। राजद चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रही है विपक्षी दलों ने इसे सरकार और चुनाव आयोग की मिलीभगत करार दिया है। जबकि सत्तारूढ़ दल ने इसे बिहार चुनाव को अस्थिर करने की कोशिश बताया।

मंदिर राज्य की संपत्ति या ट्रस्ट नहीं है: याचिकाकर्ता

मथुरा के वृंदावन में स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। श्री बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन समिति ने यूपी सरकार के अध्यादेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि सीजेआई अब यह तय करेंगे कि इस मामले की सुनवाई कौन सी बेंच करेगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने श्री बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन समिति की याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले को मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के समक्ष भेजने का निर्देश दिया है। जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में बताया गया कि इससे जुड़ी एक और याचिका दूसरी बेंच में लंबित है। इसके चलते कोर्ट ने मामले को मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के समक्ष भेजने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीजेआई अब यह तय करेंगे कि इस मामले की सुनवाई कौन सी बेंच करेगी। दरअसल, श्री बांके बिहारी मंदिर के वर्तमान प्रबंधन ने उत्तर प्रदेश सरकार के श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 की वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस अध्यादेश के तहत मंदिर का प्रशासनिक नियंत्रण एक नवगठित ट्रस्ट को सौंपा गया है, जिसे याचिकाकर्ताओं ने मंदिर के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करार दिया है। याचिका में कहा गया है कि यह मंदिर के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप के समान है। मंदिर राज्य की संपत्ति या ट्रस्ट नहीं है।

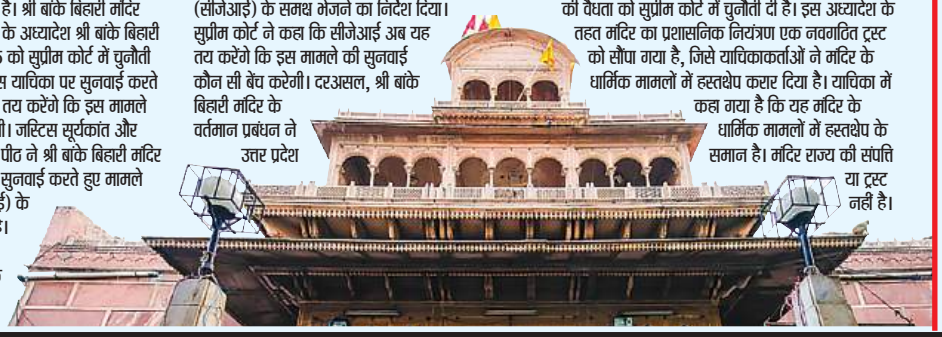

'श्री बांके बिहारी मंदिर एक निजी धार्मिक संस्थान'

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि श्री बांके बिहारी मंदिर एक निजी धार्मिक संस्थान है, जो स्वामी हरिदास के वंशजों और लगभग 360 सेवायतों द्वारा संचालित होता रहा है। 1939 में बनाई गई प्रबंधन योजना के तहत मंदिर का संचालन होता है, जिसका यह अध्यादेश उल्लंघन करता है। इस प्रबंधन अधिग्रहण को इलाहाबाद हाई में भी चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि अध्यादेश जारी करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। राज्य द्वारा प्रबंधन और नियंत्रण अपने हाथ में लेने के लिए कोई कारण नहीं दिया गया।

विजय शाह की मंशा पर शक, लगाई फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि मंत्री विजय शाह की मंशा पर अदालत को शक है। शीर्ष अदालत ने सवाल किया कि क्या विजय शाह ने अब तक अपने बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। कोर्ट ने एसआईटी (विशेष जांच टीम) से पूछा कि आखिर विजय शाह के बयान से जिन लोगों की भावनाएं आहत हुईं, उनके बयान अब तक क्यों नहीं लिए गए? एसआईटी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि जांच के दौरान अब तक 27 लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं और वायरल वीडियो विलप की जांच भी की जा चुकी है। एसआईटी ने कहा कि वह फिलहाल सभी रिकॉर्ड का विश्लेषण कर रही है और जांच रिपोर्ट को 13 अगस्त तक अंतिम रूप दिया जाएगा। एसआईटी के इस जवाब के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी है। इस मामले में कोर्ट अब 18 अगस्त को सुनवाई करेगी। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि एसआईटी के एक सदस्य को स्टेटस रिपोर्ट के साथ 18 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होना होगा।

जस्टिस वर्मा से पूछे गये सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा से कैश कांड पर सवाल किया जिन्होंने जांच रिपोर्ट के खिलाफ याचिका दायर की है। जस्टिस दीपांकर दत्त और एजी मसीह की बेंच ने जस्टिस वर्मा से कई सवाल पूछे। वरिष्ठ एडवोकेट कपिल सिब्बल ने जस्टिस वर्मा का पक्ष रखते हुए कहा कि जज सार्वजनिक बहस का हिस्सा नहीं हो सकते। जस्टिस वर्मा ने इन-हाउस जांच रिपोर्ट को गलत बताया है। वरिष्ठ एडवोकेट कपिल सिब्बल ने जस्टिस वर्मा की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में उनका पक्ष रखा। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 124 का हवाला देते हुए कहा कि जज सार्वजनिक बहस का हिस्सा नहीं हो सकते हैं।

आधार कार्ड को सूची में शामिल करने का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने पिछली तारीख पर चुनाव आयोग से कहा था कि वो आधार कार्ड, वोटर कार्ड और राशन कार्ड को लिए जा रहे दस्तावेजों की सूची में शामिल करने पर विचार करे। चुनाव आयोग ने कोर्ट में दाखिल जवाब में कहा कि ये तीनों दस्तावेज भरोसेमंद नहीं है, क्योंकि इन्हें गलत तरीके से फर्जी बनाया जा सकता है। जस्टिस सूर्यकांत ने आज सुनवाई के दौरान आयोग से कहा कि दुनिया का कोई भी पेपर जाली बनाया जा सकता है। आपकी लिस्ट वाले पेपर भी निर्णायक नहीं है। क्या वो आधार कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र स्वीकार करेगा। आयोग ने कहा कि उसे राशन कार्ड स्वीकार करने में दिक्कत है। वोटर आईडी तो फॉर्म पर पहले से प्रिंटेड है और फॉर्म में वोटर को आधार नंबर भरना है। आयोग ने कोर्ट को बताया कि अदालत का ही आदेश है कि आधार कार्ड नागरिकता की पहचान का दस्तावेज नहीं है। 1 अगस्त को आयोग ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी करेगा, जिस पर आपत्ति और दावा के जरिए छूटे नाम निर्धारित फॉर्म भरकर जोड़े जा सकेंगे या गलत नाम को हटाया जा सकेगा।

एसआईआर को रोकने की मांग को लेकर प्रदर्शन

संसद परिसर में सुबह विपक्षी सांसदों ने एसआईआर को रोकने की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किया है, जिसमें प्रियंका गांधी भी शामिल हुईं। विपक्ष लगातार वोटर लिस्ट रिवीजन के खिलाफ बोल रहा है। बिहार में इस मसले पर महागठबंधन ने बंद का भी आयोजन किया था जिसमें राहुल गांधी भी गए थे। इन दलों का कहना है कि चुनाव आयोग वोटरों का नाम काटने के लिए भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है।

बिजली पर अखिलेश यादव का नारा भाजपा जाए तो रोशनी आए

ऊर्जा ढांचे, बिजली के बिल और बिजली कटौती पर तीखी बहस तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली आपूर्ति, बिलिंग और वितरण तंत्र को लेकर सियासत गर्म है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की बिजली व्यवस्था कासे दुर्दशा की कगार तक पहुंचा दी है।

उनका कहना है कि प्रदेश में बिजली नहीं सिर्फ बिजली का बिल आ रहा है और यह बेइंतहा बिल लोगों की जेबें खा रहा है। अखिलेश यादव का आरोप है कि समाजवादी पार्टी सरकार के समय जिस सुधार प्रक्रिया की शुरुआत हुई थी भाजपा ने पिछले नौ वर्षों में उसे बर्बाद कर दिया।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का कहना है कि अघोषित कटौती ने गांव, कस्बों और बड़े शहरों—यहां तक कि राजधानी लखनऊ—को भी नहीं छोड़ा है। उनके शब्दों में, ट्रांसफॉर्मर उड़ गए हैं मंत्री-अधिकारी के बीच के तार टूट गए हैं और जनता के भरोसे के खंभे उखड़ गए हैं। वे कहते हैं कि जब तक लोग उपकेंद्रों पर पहुंचकर धरना-प्रदर्शन नहीं करते सरकार होश में नहीं आती इसलिए राजधानी में विरोध के बढ़ते मामलों से बाकी जिलों और

ग्रामीण इलाकों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि सिंचाई के लिए किसानों को पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही जिससे उत्पादन प्रभावित हो रहा है। व्यापारी और छात्र वर्ग के साथ आम उपभोक्ता भी लंबे कटों वोल्टेज की समस्या और बिलिंग विवादों से परेशान हैं।

उत्पादन एक यूनिट भी नहीं बढ़ाया

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि उसने अपने पूरे कार्यकाल में एक भी यूनिट बिजली उत्पादन नहीं बढ़ाया और कोई नया पावर प्लांट स्थापित नहीं किया। उनके मुताबिक आज प्रदेश में जो बिजली उपलब्ध है वह समाजवादी सरकार के दौरान बनाए गए पावर प्लांटों से ही आ रही है। ऊर्जा क्षेत्र के जानकार मानते हैं कि उत्तर प्रदेश जैसी बड़ी आबादी वाले राज्य में मांग हर साल तेज़ी से बढ़ रही है। ऐसे में, केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन (टी एंड डी) लॉस घटाना, स्मार्ट मीटरिंग, फीडर सेपरेशन और नवीकरणीय ऊर्जा के बेहतर एकीकरण जैसे कदम भी ज़रूरी होते हैं। सरकार अवसर इन बिंदुओं का हवाला देती रही है, हालांकि विपक्ष का तर्क है कि जमीनी स्तर पर इनका प्रभाव दिखाई नहीं देता।

चौतरफा भ्रष्टाचार और वसूली के आरोप

पूर्व मुख्यमंत्री ने बिजली विभाग में लूट और भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बनने का आरोप लगाते हुए कहा कि चेकिंग के नाम पर किसानों, व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं से वसूली की शिकायतें बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिजली मंत्री का जगह-जगह घेराव हो रहा है और सरकार के खिलाफ आक्रोश मीटर की तरह लगातार बढ़ रहा है। उधर, विभागीय स्तर पर ऐसी शिकायतों पर आमतौर पर यह दलील दी जाती है कि अभियान का उद्देश्य लाइन लॉस घटाना, अवैध कनेक्शन रोकना और देयकों की वसूली सुनिश्चित करना है; हालांकि विपक्ष का कहना है कि यह प्रक्रिया पारदर्शी और उपभोक्ता हितैषी नहीं है।

डबल इंजन पर सीधा वार

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि यह मॉडल बिजली उपलब्ध कराने में पूरी तरह फेल हो गया है। उन्होंने तंज किया कि भाजपा जाए तो रोशनी आए। उनका दावा है कि जनता अब भाजपा को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, बिजली का मुद्दा—खासकर गर्मी और बरसात के महीनों में—सीधे-सीधे जनता के रोज़मर्रा के संकट, कृषि, उद्योग और छोटे कारोबारों को प्रभावित करता है। इसलिए विपक्ष इसे चुनावी बहस के केंद्र में लाने की कोशिश कर रहा है, जबकि सरकार के लिए चुनौती यह साबित करना है कि आपूर्ति, वितरण और बिलिंग के मोर्चे पर ठोस सुधार जमीन पर उतर रहे हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को सांसद प्रिया सरोज ने लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा सांसद प्रिया सरोज ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को यूपी सरकार द्वारा विद्यालयों के एकीकरण स्कूल मर्जर की नीति की समीक्षा कर मर्जर रद्द करने की मांग को लेकर चिटठी लिखी है। पत्र में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में वर्तमान समय में विद्यालयों के एकीकरण (स्कूल मर्जर) की नीति का पालन किया जा रहा है, जो कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम आरटीई एक्ट की मूल भावना के प्रतिकूल प्रतीत होती है।

केंद्र सरकार द्वारा लागू शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत यह प्रावधान है कि 6 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को उसके निवास स्थान से समीपतम दूरी प्राथमिक विद्यालय से एक किलोमीटर के भीतर पर निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराई जाए और एक किलोमीटर की परिधि में कोई विद्यालय उपलब्ध नहीं है, तो सरकार का यह उत्तरदायित्व है कि वह समीपवर्ती विद्यालय में बच्चे का प्रवेश सुनिश्चित कराए।

कैसी मिलेगी शिक्षा

चिट्ठी में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार की 50 या उससे कम नामांकित छात्रों वाले विद्यालयों को मर्ज करने की वर्तमान नीति इस अधिनियम की भावना को आघात पहुंचा रही है। इसके चलते वे विद्यालय, जो बच्चों के घर के समीप स्थित थे, अब बंद या एकीकृत कर दिए गए हैं, जिससे बच्चों को काफी दूरस्थ विद्यालयों में जाना पड़ रहा है। इससे अनेक बच्चों के लिए विद्यालय तक पहुंच बाधित हो रही है, जिससे राज्य में ड्रॉपआउट दर में वृद्धि देखी जा रही है। यह स्थिति अत्यंत गंभीर एवं चिंताजनक है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के 2.5 लाख शिक्षक और स्कूल स्टाफ की नौकरी को भी खतरा है।

बिहार में अब अपराधी विजय और सम्राट बन गये हैं: तेजस्वी यादव

» चिराग पासवान को बिहार की नहीं कुर्सी की लालच

» तेजस्वी का तंज, चिराग पासवान को लेकर दिया बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार चुनाव से पहले नेताओं का एक-दूसरे पर हमला करने का दौर जारी है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार में बढ़ते अपराधों को लेकर कहा था कि दुख होता है इस सरकार का हिस्सा हूं। अब इस पर पलटवार करते हुए बिहार विधानसभा में नेता विपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने निशाना साधा है।

उन्होंने एलजेपी (आर) प्रमुख को कुर्सी का लालची बताते हुए कहा कि आप इतने कमजोर क्यों हैं? केंद्र में मंत्री हैं, पार्टी के 5 सांसद हैं फिर भी इतने कमजोर कैसे हैं? बिहार के गया में होमगार्ड की परीक्षा देने आई अभ्यर्थी के साथ गैंग रेप की घटना पर चिराग पासवान ने प्रदेश की पुलिस और प्रशासन पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि बिहार में बढ़ते अपराध देखकर इस सरकार का हिस्सा होने पर दुख होता है। तेजस्वी यादव से मीडिया ने इसी बयान पर प्रतिक्रिया मांगी थी, जिस पर उन्होंने चिराग पासवान को जमकर सुनाया।

तेजस्वी यादव ने कहा हम लगातार कहते आ रहे हैं कि बिहार में कानून-व्यवस्था नहीं बल्कि अपराध-व्यवस्था चल रही है। अपराधी अब विजय और सम्राट बन गए हैं। तेजस्वी पहले भी अपराधियों के लिए विजय और सम्राट शब्द इस्तेमाल कर चुके हैं। दरअसल बिहार के दोनों सीएम विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी पर निशाना साधने के लिए वह ऐसे तंज इस्तेमाल करते हैं। तेजस्वी ने आगे कहा चिराग पासवान केवल इस पर अफसोस जता रहे हैं जिससे साफ है कि वह मानते हैं कि हालात बदतर हैं लेकिन वे इसके लिए कुछ नहीं कर सकते। तेजस्वी का हमला यहीं नहीं रुका।

बिहार: 91.69% मतदाताओं ने जमा किये एसआईआर फार्म

» 22 लाख लोग मृत घोषित 7 लाख से ज्यादा एक से अधिक जगहों के निवासी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले हुए विशेष मतदाता पुनरीक्षण एसआईआर के पहले चरण में चुनाव आयोग को बड़ी सफलता मिली है। 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 7.24 करोड़ 91.69 प्रतिशत ने अपने गणना फॉर्म जमा कर दिए हैं। भारत निर्वाचन आयोग ईसीआई ने बिहार के विशेष मतदाता पुनरीक्षण एसआईआर के बारे में जानकारी साझा की।

ईसीआई ने बताया कि बिहार में विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) के पहले चरण में शानदार सफलता मिली है। 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 7.24 करोड़ (91.69 प्रतिशत) ने अपने गणना फॉर्म जमा किए। इस दौरान मृत घोषित 22 लाख (2.83 प्रतिशत) हैं। इसके अलावा, स्थायी रूप से स्थानांतरित/नहीं मिले 36 लाख (4.59 प्रतिशत) हैं और एक से अधिक जगहों पर पंजीकृत 7 लाख (0.89 प्रतिशत) हैं। ईसीआई के मुताबिक, ऐसे लोग जो अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता बन गए हैं या अस्तित्व में नहीं पाए गए या फिर किसी अन्य कारण से पंजीकरण नहीं करना चाहते थे, इनकी सटीक स्थिति 1 अगस्त 2025 तक इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) या सहायक ईआरओ द्वारा फॉर्मों की जांच के बाद स्पष्ट होगी।

कई जगहों पर नाम

साथ ही जिन मतदाताओं का नाम कई जगहों पर है, उनका नाम केवल एक जगह पर ही रखा जाएगा। इसके अलावा, वास्तविक मतदाता 1 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक दावे और आपत्ति अवधि के दौरान मतदाता सूची में वापस जोड़े जा सकते हैं एसआईआर के पहले चरण में राजनीतिक दलों की भागीदारी भी काफी रही है। चुनाव आयोग के अनुसार, विपक्ष ने सबसे अधिक बूथ लेवल एजेंट बनाए हैं। विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू होने से पहले और इसके एक महीने बाद तक विपक्षी दलों ने सबसे अधिक बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए।

अधिकारियों को श्रेय

आंकड़ों के अनुसार, कांग्रेस के बीएलए में 105 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि सीपीएम में 1,083 प्रतिशत और सीपीआई (माले) में 542 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, बहुजन समाज पार्टी के बीएलए में 185 प्रतिशत, भाजपा में 3 प्रतिशत, राष्ट्रीय जनता दल में 1 प्रतिशत, जनता दल (यूनाइटेड) में 31प्रतिशत, और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी में 27 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। चुनाव आयोग ने पहले चरण की सफलता का श्रेय अधिकारियों को दिया है। ईसीआई ने कहा कि बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, 38 जिलों के डीईओ, 243 ईआरओ, 2,976 एईआरओ, 77,895 मतदान केंद्रों पर तैनात बीएलओ, लाखों स्वयंसेवकों और 12 प्रमुख राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों व 1.60 लाख बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) को इसकी सफलता का श्रेय जाता है।

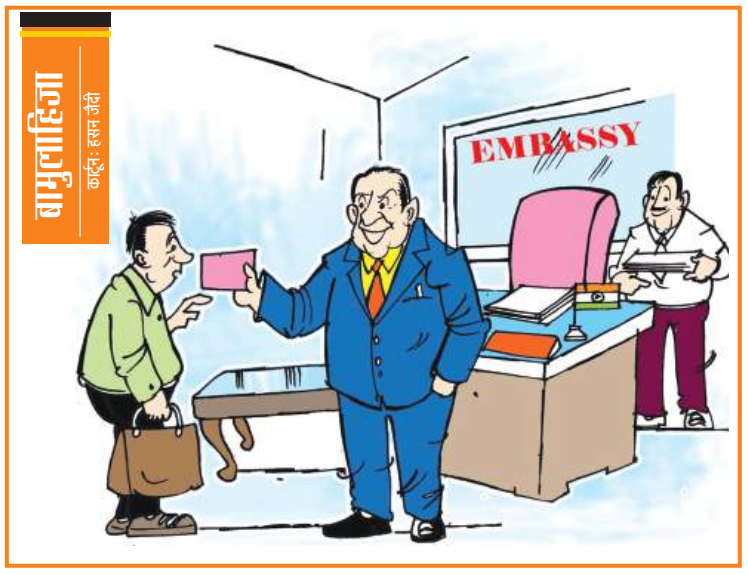

बीआरएस निकाय चुनाव के जरिये सत्ता में वापसी के लिए तैयार

» तेलंगाना में होने हैं निकाय चुनाव, सत्ता का सेमीफाइनल के लिए तैयारियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत राष्ट्र समिति बीआरएस तेलंगाना में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही है ताकि पिछले साल सत्ता और लोकसभा चुनावों में मिली हार के बाद खोया हुआ आधार फिर से हासिल कर सके।

तेलंगाना में सितंबर के अंत तक ग्राम पंचायत चुनाव होने की संभावना है जिसके लिए बीआरएस के शीर्ष नेता जिलों का दौरा कर कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर रहे हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव केटीआर इस अभियान की अगुवाई कर रहे हैं। वे कार्यकर्ताओं से स्थानीय चुनावों को गंभीरता से लेने और 32 जिला परिषदों में से 16-18 पर जीत सुनिश्चित करने की अपील कर रहे हैं। केटीआर ने इन चुनावों को 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले प्री-फाइनल करार दिया है। वे नेताओं से मजबूत उम्मीदवार चुनने और बहुमत हासिल करने को कह रहे हैं। उनका कहना है कि अगर बीआरएस अधिकांश स्थानीय निकाय जीत लेती है तो सरकार उनकी परेशानियां नहीं बढ़ाएगी। बीआरएस कांग्रेस सरकार की पिछले 20 महीनों की नाकामियों को उजागर कर रही है खासकर 2023 के चुनावी वादों को पूरा न करने का आरोप लगा रही है।

'सर' होगा विस चुनाव पर गहरा असर!

संसद से लेकर विधान सभा तक भाजपा पर चौतरफा हमला

» विशेष पुनरीक्षण याचिका पर बिहार में बवाल

» विपक्ष का वार- एक राज्य में 65 लाख फर्जी वोटर

» राजद चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में इसी वर्ष विधान सभा के चुनाव हैं। एसआईआर-विशेष पुनरीक्षण याचिका के तहत नाम हटाने और अनियमितताओं के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने संसद में विरोध प्रदर्शन किया। इसको लेकर बिहार से लेकर दिल्लर तक वार-पलटवार जारी है। विपक्ष इसे गलत बता रहा है तो सत्तापक्ष ने सही ठहरा रहा है। अब देखना होगा आगामी विस चुनाव में यह मुद्दा किसपर भारी पड़ता है। विपक्ष ने एसआई प्रक्रिया में 60 लाख से अधिक मतदाताओं को हटाए जाने को लोकतंत्र की हत्या और गंभीर अनियमितता बताया।

कांग्रेस सांसदों ने चुनाव आयोग के दावों और वास्तविकता में भारी अंतर बताते हुए प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए। प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी वाड्रा, राहुल गांधी, राजद सांसद मनोज झा और टीएमसी सांसद सुष्मिता देव सहित कई विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेता शामिल हुए, संसद के बाद अब एसआईआर पर सड़क पर जंग हो रही है। पटना से लेकर दिल्ली तक इसे लेकर सियासी बवाल जारी है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट इस पर अगली सुनवाई करेगा। बिहार विधानसभा का सत्र खत्म हो चुका है. ऐसे में अब एसआईआर के मुद्दे बिहार में सड़कों पर संग्राम होता नजर आ सकता है।

लोकतंत्र आज वाकई परेशान है : मनोज झा

एसआई आर पर विरोध प्रदर्शन के बाद राजद सांसद मनोज झा ने चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा करते हुए तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आज हम गांधी जी के पास गए हैं, किसी बुजुर्ग के पास आदमी तभी जाता है, जब लोकतंत्र संकट में हो। लोकतंत्र आज वाकई परेशान है। हम चुनाव आयोग से फिर कहेंगे कि किसी के इशारे पर काम करना बंद करिए। बांग्लादेश का चुनाव आयोग आपका आदर्श नहीं होना चाहिए।

एसआईआर पर जेडीयू में दो फाड़

बिहार में चुनाव से पहले नीतीश सरकार एसआईआर का बड़ा दांव चला है, जिसे लेकर विपक्ष हमलावर है। लेकिन कुछ जेडीयू नेता ही इसका विरोध करते नजर आ रहे हैं. जेडीयू सांसद गिरिधारी यादव ने सर प्रक्रिया को चुनाव आयोग का तानाशाही रवैया बताया। गिरिधारी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग को बिहार के भूगोल और जमीनी स्थिती की जानकारी नहीं है। चुनाव आयोग को अगर सर्वे कराना ही था तो 6 महीने पहले कराता। वहीं जेडीयू विधायक डॉ. संजीव ने भी एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष के साथ होने का दावा किया था, लेकिन उनके सुर भी अब अलग नजर आ रहे हैं। जेडीयू में स्ड्ढञ्र के मुद्दे पर उठते विरोध को देखते हुए बीजेपी ने जेडीयू को सलाह दे डाली है। बीजेपी प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा है कि जेडीयू नेता गलतफहमी के शिकार हो गए हैं।

99 प्रतिशत मतदाता कवर किए गए

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक 99 प्रतिशत मतदाता कवर किए जा चुके हैं। 20 लाख मृतक मतदाता, 28 लाख स्थायी प्रवासी मतदाता और 7 लाख से अधिक दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाता चिन्हित किए गए हैं। करीब 1 लाख मतदाताओं का कोई पता नहीं चल पाया है। 15 लाख से अधिक मतदाताओं ने अभी तक फॉर्म नहीं भरा है। कुल 7.17 करोड़ मतदाताओं (90.89प्रतिशत) के फॉर्म प्राप्त होकर डिजिटाइज किए जा चुके हैं। एसआईआर के तहत, अब तक जो मतदाता या तो गलत तरीके से सूची में शामिल हैं या जिन्होंने अभी तक अपना फॉर्म नहीं भरा है, उनकी सूचियां 20 जुलाई को बिहार के 12 प्रमुख राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों द्वारा नामित 1.5 लाख बूथ लेवल एजेंट्स को सौंप दी गई हैं, इसका उद्देश्य पारदर्शिता बनाए रखते हुए सुधार प्रक्रिया में राजनीतिक सहभागिता को बढ़ाना है।

सरकार और चुनाव आयोग के दावों में अंतर : रंजीत रंजन

कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन ने जमीनी सच्चाई को उजागर करते हुए बताया कि सरकार और चुनाव आयोग के दावों में बहुत बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा कि सरकार कह रही है कि 97 प्रतिशत वेरिफिकेशन हो चुका है, लेकिन सच्चाई यह है कि मात्र 25 प्रतिशत लोगों का ही फॉर्म सबमिट हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग खुद वेबसाइट पर फॉर्म चेक नहीं कर सकते, उन्हें बीएलओ के पास जाना होता है. ऐसे में जब 75 प्रतिशत लोगों के फॉर्म ही सबमिट नहीं हुए, तो हम कैसे मान लें कि पूरा वेरिफिकेशन हो चुका है? रंजीत रंजन ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पहले से ही यह तय कर लिया है कि किनका नाम वोटर लिस्ट में रखना है और किनका हटाना है। उन्होंने आगे कहा कि 1 सितंबर तक का समय दिया गया है, लेकिन ज्यादातर लोग यह जानते ही नहीं कि उनका वोट बचा है या नहीं. गरीब और जागरूकता से वंचित तबके को इस प्रक्रिया में पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है।

एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी : सुष्मिता देव

टीएमसी सांसद सुष्मिता देव ने भी एसआईआर प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि बिहार में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत 60 लाख से अधिक वोटरों को लिस्ट से बाहर कर दिया गया है। यह लोकतंत्र की सीधी हत्या है. यह कैसे संभव है कि एक राज्य में 65 लाख फर्जी वोटर हों? इसमें डॉक्युमेंटेशन की गंभीर खामियां है। असम में हमने एनआरसी के लिए छह साल दस्तावेज दिखाए, लेकिन आज तक एनआरसी पूरा नहीं हुआ। ऐसे में एसआईआर इतनी तेजी से कैसे हो गया? यह प्रक्रि या ही संदेह के घेरे में है।

फर्जी मतदाताओं की पहचान से क्यों है विपक्ष को दिक्कत : ललन सिंह

केंद्रीय मंत्री ने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का पुरज़ोर समर्थन किया। उन्होंने इसे संविधान के अनुरूप और लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए ज़रूरी बताते हुए विपक्ष से पूछा कि वे फ़र्ज़ी मतदाताओं को हटाने वाली इस प्रक्रिया से क्यों डर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का समर्थन किया और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि गैर-नागरिकों, डुप्लिकेट मतदाताओं और स्थायी रूप से विदेश में रहने वालों के नाम मतदाता सूची से हटाने के उद्देश्य से शुरू की गई यह प्रक्रिया संवैधानिक है और लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए ज़रूरी है। सिंह ने विपक्ष के विरोध पर सवाल उठाते हुए इस पहल के प्रति जनता के समर्थन पर ज़ोर दिया। पत्रकारों से बात करते हुए ललन सिंह ने कहा कि क्या फ़र्ज़ी मतदाताओं के साथ चुनाव होने चाहिए? चुनाव आयोग का निर्णय है कि एक विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाएगा, जिसके तहत जो लोग इस देश के नागरिक नहीं हैं, वे वोट देने के पात्र नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि दो जगहों पर मतदाता के रूप में पंजीकृत लोगों के नाम हटा दिए जाएँगे। विदेश में स्थायी रूप से रहने वालों के नाम यहाँ की मतदाता सूची में क्यों रहें? विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ड्ढक्र) संविधान के अनुरूप है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी दिखा रही आइना

मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और अकादमिक दबाव के चलते बढ़ते इन मामलों पर स्ट ने 15 सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं, जिनमें काउंसलर, उत्पीड़न रोकथाम और हॉस्टल सुरक्षा शामिल है, ताकि युवा जीवन बचाया जा सके। माता- पिता अपने बच्चों में देखते हैं। जब उन्हें लगता है कि बेटा बड़ा होगा या बेटी बड़ी होगी तो कुछ अच्छा, नया, इनोवेटिव करेगी।

सुप्रीम कोर्ट हाल ही छात्रों की बढ़ती आत्महत्याओं पर गंभीर टिप्पणी की है। यह टिप्पणी सरकारों व समाज दोनो को आईना दिखाया है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि देश में छात्रों की आत्महत्याएं किसानों से भी ज़्यादा चिंताजनक हैं! सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए इसे कुछ तो गड़बड़ बताया है। एनसीआरबी के अनुसार, 2022 में 13 हजार से अधिक छात्रों ने जान दी। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और अकादमिक दबाव के चलते बढ़ते इन मामलों पर स्ट ने 15 सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं, जिनमें काउंसलर, उत्पीड़न रोकथाम और हॉस्टल सुरक्षा शामिल है, ताकि युवा जीवन बचाया जा सके। माता- पिता अपने बच्चों में देखते हैं। जब उन्हें लगता है कि बेटा बड़ा होगा या बेटी बड़ी होगी तो कुछ अच्छा, नया, इनोवेटिव करेगी। कुल का नाम रोशन करेगा। लेकिन हो क्या रहा है? देश की सर्वोच्च अदालत ने बकायदा संज्ञान लेकर कहा है कि कैंपस में कुछ तो ऐसा गलत चल रहा है, जिस पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। सबसे बड़ी बात ये है कि कोर्ट ने सुओ मोटो यानी स्वत- संज्ञान लिया है। क्या है पूरा मामला और सुप्रीम कोर्ट ने इस पर क्या कहा तमाम मसलों पर बात करेंगे। एक तो आपने आईआईटी खड़गपुर की बात सुनी होगी जहां पर चतुर्थ वर्ग के अंडरग्रैजुएट लड़के ने सुसाइड कर लिया।

दूसरा मामला ग्रेटर नोएडा की शादरा यूनिवर्सिटी से जुड़ा है। वहां पर बीडीएस यानी बैचलर ऑफ डेंटल सर्जन की स्टूडेंट ज्योति शर्मा ने हास्टल के कमरे में सुसाइड कर लिया। उसने दो फैकल्टी मेंबर का नाम आगे किया कि इनकी वजह से सुसाइड किया। आपको कुछ महीने पहले की एक घटना याद होगी जब नेपाल की एक लड़की ने एक लड़के की वजह से आत्महत्या कर लिया था। आत्महत्या जैसे विषयों की बात करें तो बहुत बार ये चर्चा में आता है। आखिर बच्चे अपने प्राण क्यों ले लेते हैं? कई बार ऐसी चीज हम नई जनरेशन पर थोप देते हैं कि नई जनरेशन ही ऐसी है कि जल्दी हार मान जाती है। वो परिवार जो बहुत आशाओं से अपने बच्चे को पढ़ने के लिए भेजता है। पैसा बचाकर, जुटाकर खुद सस्ते कन्वेंस के द्वारा ट्रैवल करता है। लेकिन कोशिश करता है कि बच्चा हमारा अच्छे से पढ़े। लेकिन बहुत से ऐसे कारण हैं जिन वजहों से बच्चे सुसाइड करने पर आ जाते हैं। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कुछ तो गड़बड़ है जिसपर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। वहीं एक विशाखापट्टनम में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत की जांच सीबीआई से कराने की मांग आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने खारिज कर दी थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। शिक्षण संस्थानों में स्टूडेंट्स की आत्महत्या और उनमें बढ़ती मेंटल हेल्थ की समस्याओं पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई ।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नये अवसरों के सृजन को गंभीर पहल जरूरी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

देश के राज्यों और केंद्र स्तर पर निकलने वाली सरकार की विभिन्न भर्तियों के लिए आवेदन करने वाले युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। हाल ही में कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी की फेज-13 सेलेक्शन पोस्ट 2025 के अंतर्गत 2423 पदों की भर्ती के लिए पूरे देश से 29 लाख से अधिक आवेदन आए हैं। पिछले वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे भर्ती और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी ने जो भर्तियां की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में बहुत कम हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी नवीन श्रम बल सर्वे (पीएलएफएस) के आंकड़ों के मुताबिक 15-29 आयु वर्ग के युवाओं में बेरोजगारी दर जून 2025 में तेजी से बढ़कर 15.3 रही। यह शहरों में बढ़कर 18.8 प्रतिशत रही जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 13.8 प्रतिशत रही है।

फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी। इसमें से करीब 1.04 करोड़ नौकरियां संगठित सेक्टर में पैदा करनी होंगी। जबकि पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में तेजी को बरकरार रखने के लिए सर्विसेज से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सभी सेक्टर्स को नई रफ्तार से बढ़ावा देना होगा। ऐसे में इस समय देशभर में मिशन मोड में नई सरकारी नियुक्तियां करने और नए रोजगार मौके सृजित किए जाने की अहम जरूरत है। हाल ही में रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के द्वारा कौशल विकास में भारी निवेश की जरूरत है, जिससे देश के जनसांख्यिकीय लाभ को हासिल करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कौशल विकास के लिए निवेश का बोझ सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों को मिलकर उठाना होगा। भारत के पास अभूतपूर्व अवसर हैं, क्योंकि खाड़ी सहयोग परिषद, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाएं, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कौशल की भारी कमी का सामना कर रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक मंच पर भारत की कार्यबल क्षमता को उजागर करने के लिए कौशल विकास पर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) खर्च में पर्याप्त सुधार की

आवश्यकता है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में सुधार की पर्याप्त गुंजाइश है। वित्त वर्ष 2015 से अब तक कॉर्पोरेट्स द्वारा सीएसआर पर खर्च किए गए 2.22 लाख करोड़ रुपये में से केवल 3.5 प्रतिशत ही कौशल विकास के लिए खर्च किया गया है। ऐसे में सीएसआर निवेश को अलग-थलग कौशल गतिविधियों से आगे बढ़ना होगा। जब सरकारी पहलों के साथ रणनीतिक रूप से एकीकृत किया जाता है, तो सीएसआर में एक सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करने की अपार क्षमता होती है। सरकार को देश की नई पीढ़ी को जॉब सीकर यानी नौकरी की चाह रखने वाले से ज्यादा नए दौर के जॉब गिवर यानी नौकरी देने वाले बनाने की तेज रणनीति के साथ भी आगे बढ़ना होगा। देश में स्वरोजगार की रफ्तार बढ़ाई जानी होगी। इस परिप्रेक्ष्य में शोध संस्थान स्कॉच की शोध अध्ययन रिपोर्ट में 2014-24 की अवधि में ऋण-आधारित हस्तक्षेपों और सरकार-आधारित हस्तक्षेपों का अध्ययन किया है। जहां ऋण-आधारित हस्तक्षेपों ने प्रति वर्ष औसतन 3.16 करोड़ रोजगार जोड़े हैं, वहीं सरकार-आधारित हस्तक्षेपों से प्रति वर्ष 1.98 करोड़ रोजगार पैदा हुए हैं। सामान्यतया एक लोन पर औसतन 6.6 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए हैं। इस शोध अध्ययन में रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित 12 केंद्रीय योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा, पीएमजीएसवाई, पीएमईजीपी, पीएमए-जी, पीएलआई, पीएमएवाई-यू, और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इस शोध अध्ययन के मुताबिक पिछले दस वर्षों में ऋण अंतराल यानी जीडीपी के अनुपात में कर्ज के अंतर में 12.1 प्रतिशत की गिरावट आई है।

इस अध्ययन से ऋण अंतराल में कटौती, बहुआयामी गरीबी में कमी और एनएसडीपी में वृद्धि के बीच एक सकारात्मक संबंध भी प्रतिपादित हुआ है। नए डिजिटल दौर में देश की नई हाई-स्किल्ड पीढ़ी के लिए देश ही नहीं, दुनियाभर में नए दौर की नौकरियों में अवसर बढ़ रहे हैं, ऐसे में देश के करोड़ों युवाओं को नए दौर की इन नौकरियों के लिए शिक्षित-प्रशिक्षित करने के लिए प्राथमिकता के साथ नई रणनीति बनानी होगी। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट 'भविष्य की नौकरियों' में कहा कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई हाई-स्किल्ड नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ परम्परागत नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है।

आत्मीय अहसासों से विहीन सामाजिकता के संकट

गुरप्रीत महाजन

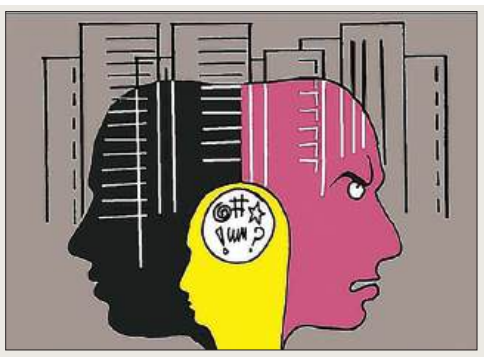

भारतीय परंपरा में, क्रोध, लोभ और सत्ता की लालसा को कम करने के लिए आत्म-संयम, आत्म-अनुशासन, अपनी सीमाओं के प्रति जागरूकता और सत्य की निरंतर खोज के मार्ग पर जोर दिया है। उन्हें खुद से असहमति रखने वालों की बातों को गंभीरता से लेने, उनसे राब्ता रखने और उन्हें मनाने के लिए प्रेरित करता है। क्या हम उस मार्ग पर फिर से चलने और इसकी क्षमता का पता लगाने के लिए तैयार हैं? 'मेलजोल विहीन भाईचारा' यह विशेषण हमारे समकालीन जीवन की दशा का वर्णन सबसे अच्छी तरह करता है, खासकर शहरी इलाकों में। आज हम जरूरत से ज्यादा भीड़-भाड़ भरे शहरों में, एक-दूसरे की बगल में खड़ी ऊंची-ऊंची इमारतों में, आपस में सटे अपार्टमेंट्स में रह रहे हैं, कहने को पास-पड़ोस से भरपूर, किंतु मेल-जोल विहीन। कई अमेरिकी उपनगरों के विपरीत, जहां पर ज्यादातर घर एक-दूसरे से थोड़े फासले पर बने होते हैं, हमारे यहां उपनगरों और विस्तारित शहरी इलाकों में आवासीय समूह हैं, जिनमें रिहायश अनिवार्य रूप से सटी हुई होती है।

यदि ऊपर आसमान में दूसरे ग्रह के प्राणी मंडरा रहे हों, तो अवश्य ही वे इन जगहों की असाधारण सामाजिकता देखकर दंग रह जाएंगे! विडंबना यह है कि इस किस्म का सामाजिक अस्तित्व वास्तव में असामाजिक व्यवहार का चिन्ह है। हालांकि हम अक्सर यह मानकर चलते हैं कि एक जगह मिल-जुलकर रहने से चिंताएं साझा बनती हैं और दोस्ती, मिलनसारिता और आपसी देखभाल की भावना पैदा होती है, लेकिन हकीकत बिल्कुल विपरीत है। अधीरता, क्रोध, आक्रामक व्यवहार, हिंसक गाली-गलौज और कभी-कभी शारीरिक हमले तक, इस 'सामाजिक जगत' में बहुतायत में हैं। सड़क किनारे खाली जगह पर कार पार्क करने का मामला हो या पालतू जानवर सहित व्यक्ति को अगली लिफ्ट पकड़ने के लिए कहना या फिर गार्ड द्वारा गेट खोलने में थोड़ी-सी देरी हो जाने जैसे मामूली से मुद्दे भी बेहद आक्रामक प्रतिक्रियाएं पैदा कर देते हैं, जिसमें आगे दोस्त और परिवार के लोगों के शामिल होने से झगड़ा विकराल रूप ले लेता है।

ऐसी घटनाएं स्थानीय समाचारों की आम खबर बनी रहती हैं। हम में से ज्यादातर लोग, यहां तक कि वे लोग जो सक्रिय रूप से नौकरी या कारोबार नहीं कर रहे, वे भी कम अवधि के प्रवासों के अलावा, बसने के लिए दूर-दराज, एकांत जगहों की तलाश नहीं करते; भले ही, दूसरे लोगों के साथ रहना एक तनाव साबित हो। जीन पॉल सात्रे के शब्द—'दूसरे लोग नर्क हैं', एक नई वास्तविकता को जन्म देते है, जहां पर एक मामूली-सा मतभेद तेजी से तूल पकड़ सकता है और इसे व्यक्तिगत अपमान के रूप में लिया जा सकता है। इसके बाद अक्सर होता है, अपनी श्रेष्ठता को पुन: स्थापित करने के उद्देश्य से एक-दूसरे को पछाड़ने का खेल। यह हमारे वर्तमान अस्तित्व की परेशान कर देने वाली किंतु अपरिहार्य स्थिति बन गई है, और इससे बचने का कोई रास्ता नहीं दिखाई दे रहा।

निस्संदेह, हम में से अधिकांश लोग जिस वातावरण में काम करते और रहते हैं, वह तनावपूर्ण है, लेकिन यह तत्व वर्तमान वास्तविकता की व्याख्या को पर्याप्त रूप से या उसके सही अर्थ को नहीं पकड़ पाता। रोजाना जीवन में इस कदर निरंतरता से उभरने वाले घर्षण और संत्रास एक ऐसे स्व: के उद्भव को इंगित करते हैं जो एक साथ चिंता और आत्म-विश्वास से भरा है। वह जिसे, पुष्टि और मान्यता पाने की प्रबल इच्छा रहती है (जो अनिवार्य रूप से इसे दूसरों से मिलनी चाहिए), लेकिन उसका यकीन कहता है कि सत्य केवल उसके पास है। जहां पहली प्रवृत्ति उसको सामाजिकता की ओर लेकर जाती है, वहीं दूसरी वाली उसे अन्यों को, खासकर वे जो असहमत हों, त्याज्य बना देती है। इस रिश्ते में, केवल आत्म(स्व:) यानी मैं और मेरे साथ खड़े लोग ही मूल्यवान और विचार करने लायक हैं। दूसरों को स्पष्टीकरण देने की न तो कोई आवश्यकता है या न ही औचित्य। इसलिए इसमें कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए कि ऐसा व्यक्ति (स्व:) समूह बनाने और यहां तक कि उसकी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने में न केवल इच्छुक, बल्कि उत्साही भी होता है। यहां किसी के मन में विचार उठ सकता है कि एक असामाजिक स्व:, जिसके लिए दूसरे लोग बोझ हैं, वह तो अकेला खड़ा होना ज्यादा पसंद करेगा और सामूहिकता को असहनीय पाएगा।

लेकिन ऐसा नहीं है, और यह व्यवहार फिर से पुष्टि करता है कि मेलजोल विहीन भाईचारा किसी अलग-थलग व्यक्ति की अभिव्यक्ति नहीं है, वह जो समुदाय और अन्य पहचान-आधारित समारोहों में सांत्वना की तलाश करता फिरे। यदि जुड़ाव की इच्छा प्राथमिक प्रेरणा होती, तो समुदाय की सदस्यता एक सुखदायक मरहम का काम करती और यह आक्रामकता और हिंसक व्यवहार को कम कर देती। फिर से, ऐसा नहीं है। बल्कि, व्यक्ति और समूह, दोनों ही, समान प्रवृत्तियां दर्शा रहे हैं और उल्लेखनीय रूप से दोनों के व्यवहार के तरीकों में समानता है। दोनों को दूसरों की उपस्थिति अखरती रही है, यदि उससे समस्या न भी हो। कष्टप्रद वास्तविकता यह है कि मेलजोल विहीन भाईचारा हर जगह अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है, सार्वजनिक स्थानों पर रोजाना के सामाजिक संपर्क से लेकर सामुदायिक जीवन तक। सोशल मीडिया द्वारा प्रदान किया पटल भी इससे जुदा नहीं है। यहां भी व्यक्ति दूसरों की तलाश करता है; अनजान लोगों से ज्यादा से ज्यादा 'लाइक' पाने की होड़ में रहता है; ज्यादा पहचान पाने की इस बेचैनी में जीता है, आत्मविश्वास से तो लबरेज रहता है किंतु आत्म-संदेह के लिए कोई जगह नहीं छोड़ता। यह कहने को एक सामाजिकता बनाता है, लेकिन संवाद अक्सर असामाजिक रूप ले लेते हैं।

बच्चों को घर पर बनाकर खिलाएं सूजी का पिज्जा

आज के युवा वर्ग और खासकर बच्चों को पिज्जा बर्गर आदि काफी पसंद होता है। अभिभावक बच्चों को बहुत ज्यादा बाजार का पिज्जा खाने देना नहीं चाहते हैं, ऐसे में घर पर ही आसानी से ब्रेड पिज्जा बना देते हैं। लेकिन रोज-रोज ब्रेड पिज्जा भी एक हेल्दी विकल्प नहीं है। ऐसे में अगर आपके बच्चे को पिज्जा खाना पसंद है और आप उसे ब्रेड पिज्जा नहीं देना चाहती हैं तो घर पर आसानी से सूजी पिज्जा बना सकती हैं। सूजी पिज्जा बच्चों के लिए एक स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक विकल्प हो सकता है जो कम तेल में आसानी से तैयार कर सकते हैं।

सामग्री

एक कप सूजी, आधा कप दही, आधा छोटा चम्मच बेकिंग सोडा, बारीक कटा एक टमाटर, एक बारीक कटा शिमला मिर्च, एक बारीक कटा प्याज, दो चम्मच उबले हुए स्वीट कार्न, आधा कप कद्दूकस किया हुआ चीज, दो बड़े चम्मच पिज्जा सॉस, नमक , ऑरिगेनो और चिली फ्लेक्स, सेकने के लिए थोड़ा सा तेल।

विधि

सूजी और दही को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट में स्वादानुसार नमक डालें। जरूरत हो तो थोड़ा पानी मिलाकर 10-15 मिनट के लिए ढककर रखें। अब टमाटर, शिमला मिर्च, प्याज और उबले स्वीट कॉर्न तैयार रखें। बैटर में ईनो या बेकिंग सोडा डालें और अच्छे से मिक्स करें। फिर नॉनस्टिक तवा या पैन को हल्का सा ग्रीस करें और गर्म करें। इस पर डोसे की तरह गोल आकार का थोड़ा बैटर डालें और फैलाएं। ऊपर से पिज्जा सॉस लगाएं, फिट कटे हुए सब्ज़ियों की परत लगाएं। ऊपर से चीज डालें और ऑरिगेनो व चिली फ्लेक्स छिड़कें। ढककर धीमी आंच पर सात से आठ मिनट तक पकाएं जब तक चीज पिघल न जाए और बेस कुरकुरा न हो।

बिहार स्टाइल में बनाएं चूड़ा नमकीन

यदि गर्मी के मौसम के लिए आप कुछ हल्का स्नैक्स तैयार करने का प्लान कर रहे हैं, तो यहां हम आपको बिहार स्टाइल चूड़ा या चिवड़ा नमकीन बनाने की विधि बताने जा रहे हैं। सर्दी के मौसम में जब भी छोटी-मोटी भूख लगती है तो पकौड़े, समोसे जैसे हैवी व्यंजन का सेवन कर लिया जाता है, लेकिन गर्मी के मौसम में यदि हर रोज ज्यादा तले-भुने पकवानों का सेवन किया जाए तो तबियत खराब होने का डर रहता है। ऐसे में डॉक्टर्स भी हल्का खाना खाने की सलाह देते हैं और तले-भुने खाने से दूर रहने की बात कहते हैं। यदि आप गर्मियों के लिए हल्के और स्वादिष्ट स्नैक्स की तलाश कर रहे हैं तो बिहार स्टाइल चूड़ा नमकीन तैयार करें। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होती है और इसे बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता। खास बात तो ये है कि इसे आप महीने भर तक स्टोर करके रख सकते हैं, क्योंकि ये खराब नहीं होती।

सामान

पोहा (चूड़ा)- 2 कप, मूंगफली - आधा कप, मखाना, करी पत्ते- 8-10 पत्ते, सूखी लाल मिर्च, काला नमक, साधारण नमक, तेल- 2-3 टेबलस्पून।

विधि

बिहार स्टाइल चूड़ा बनाने के लिए सबसे जरूरी है पोहे या चूड़ा को सही तरह से भूनना। इसके लिए सबसे पहले एक भारी तले वाली कढ़ाही लें। यदि आप हल्की कढ़ाई लेंगे तो पोहा जलने का डर रहेगा। मोटे तले वाली कढ़ाई लेकर बिना तेल के ही उसे मध्यम आंच पर भूनें। इसे आपको लगातार चलाते रहना है। यदि आप इसे लगातार नहीं चलाएंगे तो ये जल जाएगा। जब ये सुनहरा होने लगे तो गैस बंद करके पोहे को चेक करें कि ये कुरकुरा हो गया है या नहीं। सही तरह से कुरकुरा होने के बाद इसे एक प्लेट में निकालकर ठंडा करें। इसके बाद उसी कढ़ाई में एक चम्मच तेल डालकर पहले तो मूंगफली को सुनहरा होने तक भूनें। उसके बाद उसी कढ़ाही में मखानों को भून लें। अब बारी आती है मसाला तैयार करने की तो उसके लिए कढ़ाही में हींग, करी पत्ता, लाल मिर्च डालकर भूनें। इसके बाद उसी में मखाना, मूंगफली और भुना हुआ पोहा डालें। आखिर में इसमें नमक मिक्स करें और अच्छी तरह से मिलाएं। बस सिंपल सी चूड़ा नमकीन तैयार है, इसे चाय के साथ परोस सकते हैं।ये ऐसे भी खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। इसे कांच के जार में महीने भर के लिए स्टोर करके आप रख सकते हैं।

हंसना मना है

पति- आज खाना सासू मां ने बनाया है क्या? पत्नी- वाह कैसे पहचाना। पति- जब तुम बनाती थी तो काले बाल निकलते थे ... आज सफेद निकला है।

मास्टर जी - शांति किसके घर में रहती है... पप्पू- जिस घर में पति और पत्नी दोनों मोबाइल चलाते हैं...

यमराज (औरत से)- चलो, मैं तुम्हें लेने आया हूं। औरत- बस दो मिनट दे दो। यमराज- दो मिनट में ऐसा क्या कर लोगी... औरत- फेसबुक पर स्टेटस डालना है, यह सुनकर यमराज ही हो गए बेहोश...

पति और पत्नी एक कुएं के पास गए, जहां सिक्का डालने से मन की मुराद पूरी हो जाती थी... पहले पति ने सिक्का डाला, फिर पत्नी जैसे ही सिक्का डालने गई तो पैर फिसल गया और वो कुएं में गिर गई! पति की आंखों में आंसू आ गए, ऊपर देखते हुए बोला- हे भगवान, इतनी जल्दी सुन ली...

कहानी

हरा घोड़ा

एक शाम राजा अकबर अपने प्रिय बीरबल के साथ अपने शाही बगीचे की सैर के लिए निकले। वह बगीचा बहुत ही शानदार था। चारों ओर हरियाली ही हरियाली थी और फूलों की भीनी भीनी खुशबू वातावरण को और भी खूबसूरत बना रही थी। ऐसे में राजा को जाने क्या सूझा कि उन्होंने बीरबल से कहा, बीरबल! हमारा मन है कि इस हरे भरे बगीचे में हम हरे घोड़े में बैठ कर घूमें। इसलिए मैं तुम्हें आदेश देता हूं कि तुम सात दिनों के अंदर हमारे लिए एक हरे घोड़े का इंतजाम करो। वहीं अगर तुम इस आदेश को पूरा करने में असफल रहते हो, तो तुम कभी भी मुझे अपनी शक्ल न दिखाना। इस बात से राजा व बीरबल दोनों वाकिफ थे कि आज तक दुनिया में हरे रंग का घोड़ा नहीं हुआ है। फिर भी राजा चाहते थे कि बीरबल किसी बात में अपनी हार स्वीकार करें। इसी कारण उन्होंने बीरबल को ऐसा आदेश दिया। मगर, बीरबल भी बहुत चालाक थे। वो भली भांति जानते थे कि राजा उनसे क्या चाहते हैं। इसलिए वो भी घोड़ा ढूंढने का बहाना बनाकर सात दिनों तक इधर-उधर घूमते रहे। आठवें दिन बीरबल दरबार में राजा के सामने पहुंचे और बोले, महाराज! आपकी आज्ञा के अनुसार मैंने आपके लिए हरे घोड़े का इंतजाम कर लिया है। मगर, उसके मालिक की दो शर्तें हैं। राजा ने उत्सुकता से दोनों शर्तों के बारे में पूछा। तब बीरबल ने जवाब दिया, पहली शर्त यह है कि उस हरे घोड़े को लाने के लिए आपको स्वयं जाना होगा। राजा इस शर्त के लिए तैयार हो गए। फिर उन्होंने दूसरी शर्त के बारे में पूछा। तब बीरबल ने कहा, घोड़े के मालिक की दूसरी शर्त यह है कि आपको घोड़ा लेने जाने के लिए सप्ताह के सातों दिन के अलावा कोई और दिन चुनना होगा। यह सुन राजा हैरानी से बीरबल की ओर देखने लगे। तब बीरबल ने बड़ी सहजता से जवाब दिया, महाराज! घोड़े का मालिक कहता है कि हरे रंग के खास घोड़े को लाने के लिए उसकी यह खास शर्तें तो माननी ही होंगी। राजा अकबर बीरबल की यह चतुराई भरी बात सुनकर खुश हो गए और मान गए कि बीरबल से उसकी हार मनवाना वाकई में बहुत मुश्किल काम है।

7 अंतर खोजें

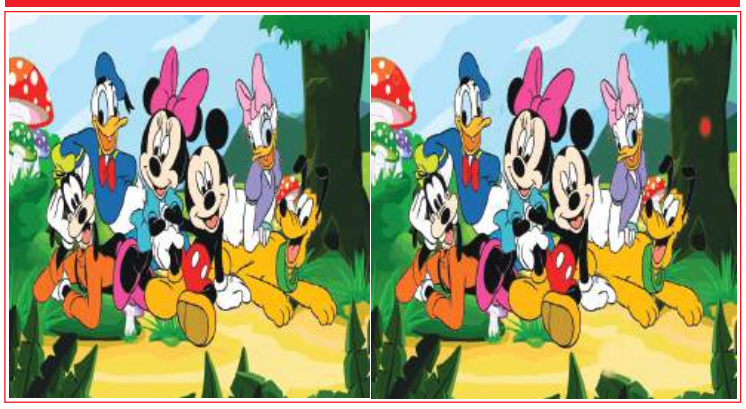

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। काम में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे।

मिथुन अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कन्या व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। यात्रा मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी।

तुला फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा।

धनु सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा।

मकर किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। प्रमाद न करें। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कुम्भ अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। हितैषी सहयोग करेंगे। धनार्जन संभव है।

मीन परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी। जल्दबाजी न करें।

एक्ट्रेस रुचि गुज्जर ने प्रोड्यूसर के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

बॉलीवुड | मसाला

मुंबई की ओशिवारा पुलिस स्टेशन में एक्ट्रेस रुचि गुज्जर ने फिल्म So Long Valley के प्रोड्यूसर करण सिंह चौहान के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और धमकी देने के आरोप में FIR दर्ज कराई है। ये मामला हिंदी टेलीविजन सीरियल के को-प्रोडक्शन को लेकर हुए 24 लाख रुपये के फाइनेंशियल विवाद से जुड़ा है। रुचि का आरोप है कि जुलाई 2023 से जनवरी 2024 के बीच उन्होंने अपनी कंपनी SR इवेंट एंड एंटरटेनमेंट से करण की कंपनी और अन्य अकाउंट में कई किस्तों में ये पैसे ट्रांसफर किए थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रुचि की शिकायत के आधार पर करण के खिलाफ 24 जुलाई 2025 को कई धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। बता दें कि रुचि ने दावा किया है कि करण सिंह चौहान ने उनसे व्हाट्सएप के जरिए कॉन्टेक्ट किया और खुद को एक हिंदी सीरियल का प्रोड्यूसर बताया और सोनी टीवी पर शो शुरू करने का दावा किया था। रुचि ने आगे दावा किया कि करण सिंह चौहान ने उन्हें को-प्रोड्यूसर के रूप में जोड़ने की पेशकश की और प्रोजेक्ट से रिलेटेड डॉक्यूमेंट भी भेजे। इन बातों पर विश्वास करके रुचि ने पैसे उनके अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। रुचि ने पुलिस को आगे बताया कि प्रोजेक्ट पर कोई काम शुरू नहीं हुआ है, बार-बार संपर्क करने के बावजूद, वह उन्हें टालता रहा और झूठ बोलता रहा।

एक्ट्रेस ने बताया कि प्रोड्यूसर ने वह पैसा So Long Valley नाम की एक फिल्म में लगाया और कहा कि फिल्म बिकने के बाद वह पैसा लौटा देगा। जब मुझे इस बात की जानकारी मिली कि फिल्म 27 जुलाई को रिलीज हो रही है तो मैंने उससे कहा कि वह मेरे पैसे अभी लौटा दें। जिस पर उसने मुझे धमकियां देना शुरू कर दिया।

बता दें कि एक्ट्रेस रुचि ने FIR में ट्रांजैक्शन डिटेल्स, अकाउंट नंबर और फाइनेंशियल नुकसान का जिक्र किया है। मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सभी बैंकिंग लेनदेन, कॉल रिकॉर्ड और अन्य सबूतों की जांच की जा रही है। आपको बता दें कि रुचि वही हैं, जिन्होंने पीएम मोदी की तस्वीर वाला हार पहनकर कान्स में एंट्री ली थी।

एनिमल के बाद भद्दे कमेंट पढ़कर मेरी बहन बहुत परेशान हो गई थी : तृप्ति डिमरी

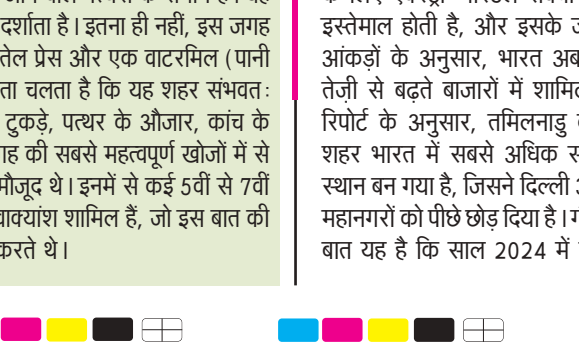

तृप्ति डिमरी ने लैला मजनू, बुलबुल और कला जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से आलोचकों से प्रशांसा हासिल की। हालांकि उन्हें देशभर में प्रसिद्धि एनिमल में अपनी छोटी सी भूमिका से मिली। फिल्म में उन्होंने रणबीर कपूर के साथ एक इंटीमेट सीन दिया था जिसके बाद से लोग उन्हें भाभी 2 के नाम से जानने लगे। हालांकि, अभिनेत्री को इसके लिए काफी ट्रोलिंग और आलोचना का सामना भी करना पड़ा।

हाल ही में एक इंटरव्यू में तृप्ति ने इस फिल्म के बाद उनकी फैमिली के रिएक्शन पर बात की। तृप्ति ने खुलासा किया कि उनकी बहन,जो उनके पूरे करियर में उनका सहारा रही उनकी इस फिल्म के बाद काफी टेंशन में आ गई थीं। दरअसल उन्होंने लोगों के भद्दे कमेंट्स पढ़ लिए जोकि उन्हें बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगे।

भूल भुलैया 3 अभिनेत्री ने कहा, इतनी सारी आलोचनाओं के बाद, मैंने कुछ भी पढ़ना बंद कर दिया था। वह उनमें से एक थीं जो देर रात तक हर कमेंट पढ़ती थीं और वह तनाव में आ जाती थीं। उन्हें एहसास हुआ कि यह अंततः मुझे प्रभावित करेगा। इसलिए,उन्होंने कहा, अगर आप अच्छा करते हैं तो भी लोग बातें करेंगे। बल्कि, वह करें जिसमें आप वास्तव में विश्वास करते हैं। यह आपका जीवन है और आपको इसे केवल एक बार जीने को मिलता है। आप गलतियां करेंगे, लेकिन उनसे सीखें। तृप्ति ने बताया कि उनकी बहन की इस सलह ने उनके लिए बहुत काम किया। तृप्ति ने बताया कि उनकी लाइफ में उनके कुछ बहुत अच्छे दोस्त और एक प्यारी सी बहन है जो उन्हें सही गलत का ज्ञान देती रहती है।

तृप्ति ने कहा, पहले भी जब मैं ऑडिशन में फेल हो रही था, तब भी वो मेरे साथ थी। मैं रोते हुए उसे फोन करती थी और वो कहती, तुम्हें ये करते रहना होगा। शोर-शराबे पर ध्यान मत दो, रिश्तेदारों या आस-पास के लोगों की बात मत सुनो। बस यही करते रहो और देखो कि ये तुम्हारे लिए कारगर है या नहीं। अगर तुम खुश नहीं हो, तो बस तभी पीछे हटना है। वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस फिलहाल अपनी अपकमिंग फिल्म धड़क 2 के रिलीज होने का इंतजार कर रही हैं। इस फिल्म में वो सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आएंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं 'कसौटी जिंदगी' के लिए 72 घंटे काम किया करती थी : श्वेता

जब टीवी लोगों के बीच अपनी जगह बना रहा था, तब कई ऐसे सीरियल्स आए जिसने ऑडियंस के जहन में अपनी अलग छाप छोड़ी थी। जिसका क्रेडिट प्रोड्यूसर एकता कपूर को भी जाता है जिन्होंने क्योंकि सास...और कसौटी जिंदगी की जैसे शोज बनाए। एक समय था जब दोनों शोज टीआरपी रेस में एक-दूसरे से कॉम्पिटीशन किया करते थे। इसमें काम कर चुके एक्टर्स की भी जिंदगी बदल चुकी थी। कसौटी जिंदगी की से घर-घर में मशहूर हुईं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज एक बड़ा नाम बन चुकी हैं। वो अब फिल्मों में भी नजर आने लगी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने टीवी के गोल्डन दिनों को याद किया है जिसमें उन्होंने टीवी इंडस्ट्री के स्ट्रगल और काम करने के तरीका का भी जिक्र किया है। श्वेता बताती हैं कि वो अपने सीरियल कसौटी जिंदगी की के लिए 72 घंटों तक शूटिंग किया करती थीं। भारती सिंह के पॉडकास्ट में श्वेता ने बताया, हम लोग पूरी इंडस्ट्री में फेमस हैं कि कोई सोता नहीं था। मैं 72 घंटे शूट करती थी। 30 दिन का महीना होता है, मुझे 45 दिन का पे-चेक मिलता था। सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक एक शिफ्ट होती थी। फिर उसी शाम के 7 बजे से अगले दिन सुबह 7 बजे तक दो शिफ्ट्स में काम होते थे। श्वेता ने आगे प्रोड्यूसर एकता कपूर का जिक्र करते हुए कहा, ये काम सिर्फ हम एक्टर्स ही नहीं किया करते थे। बल्कि एकता कपूर भी करती थीं। एकता सोती नहीं थी, उनके पास तब 22 शोज थे। जब भी एकता को कॉल करते थे, वो सिर्फ एक रिंग में कॉल उठाती थीं। वो पूरा सीन समझाती थी और एक बार अगर एकता ने समझा दिया, तो आप कहीं गलत जा ही नहीं सकते। जब वो लाइन बोलती थीं तो ये लगता था कि आपसे बेहतर वो बोल रही हैं। उनका जज्बा अलग ही था। श्वेता ने ये भी कहा कि एकता कपूर उस वक्त अपने शोज को नंबर्स या ऑडियंस के लिए नहीं। बल्कि अपने लिए बनाती थीं जिसके कारण वो काफी पॉपुलर भी हुआ करते थे। एक्ट्रेस ने कहा, एकता उस वक्त ऑडियंस को इंप्रेस करने के लिए शो नहीं बनाती थी। वो अपने आपको खुश रखने के लिए शो बनाती थी। अपनी क्रिएटिविटी और सोच के लिए शो बनाती थी।

जमीन के अंदर दफ्न था 1500 साल पुराना शहर, खुदाई में आया सामने

हमारी धरती के नीचे कई ऐसे राज दफ्न हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। आर्कियोलॉजिस्ट की टीम अक्सर ऐसे राजों से पर्दा उठाती रहती है और उनसे जुड़े खुलासे करती है। ऐसा ही कुछ बीजान्टिन सिटी थारैस के साथ भी था, जो सदियों से पुरातत्वविदों के लिए एक रहस्य बना हुआ था। इस शहर को मदबा मोजेक मानचित्र पर स्पष्ट रूप से दर्शाया गया था, लेकिन इसका सटीक स्थान अज्ञात था। अब शोधकर्ताओं की एक टीम ने कई वर्षों के गहन शोध और फील्डवर्क के बाद लगभग 1500 साल पुराने इस शहर थारैस का पता दक्षिण जॉर्डन में लगा लिया है। यह खोज प्राचीन इतिहास और उस समय के जीवन को समझने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकती है। डॉ. मुसल्लम आर अल-रावहनेह के नेतृत्व में आर्कियोलॉजिस्ट के एक समूह ने 2021 से 2024 के बीच फील्ड सर्वे, ऐतिहासिक ग्रंथों और स्थानीय निवासियों की सहायता से इस प्राचीन शहर की पहचान की पुष्टि की। डॉ. मुसल्लम आर अल-रावहनेह के अनुसार, थारैस का महत्व सिर्फ एक खेती योग्य बस्ती से कहीं बढ़कर है। यह मदबा मैप पर प्रमुखता से मौजूद है। एक बेसिलिका की खोज से पता चलता है कि यह एक पवित्र स्थल और एक व्यापारिक विश्राम स्थल था। इस साइट पर खुदाई से बीजान्टिन-शैली की बेसिलिका के आंशिक अवशेष मिले हैं, जिसमें एक मोजेक फर्श के टुकड़े, एक नक्काशीदार पत्थर का प्रवेश द्वार और बड़े दरवाजों के पत्थर शामिल हैं, जो अन्य शुरुआती ईसाई चर्चों में उपयोग किए जाने वाले पत्थरों के समान हैं। यह स्पष्ट रूप से एक ईसाई समुदाय की उपस्थिति को दर्शाता है। इतना ही नहीं, इस जगह से पुरातत्वविदों ने एक अंगूर प्रेस, एक जैतून का तेल प्रेस और एक वाटरमिल (पानी से चलने वाली चक्की) भी खोजी है, जिससे यह पता चलता है कि यह शहर संभवतः आत्मनिर्भर था। इसके अलावा मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े, पत्थर के औजार, कांच के टुकड़े और यहां तक कि जीवाश्म मिले हैं। इस जगह की सबसे महत्वपूर्ण खोजों में से कुछ कब्रों पर प्राचीन ग्रीक और लैटिन शिलालेख मौजूद थे। इनमें से कई 5वीं से 7वीं शताब्दी ईस्वी के हैं और इनमें ईसाई प्रतीक और वाक्यांश शामिल हैं, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि वहां एक ईसाई समुदाय निवास करते थे।

अजब-गजब | साल 2024 में बेवफाई में 17वें स्थान पर था यह शहर

भारत का यह शहर है बेवफाई में नं. वन

एक जमाना था जब भारतीय लोगों को सबसे ज्यादा वफादार माना जाता था। बीवी के सिवा वो कभी पराई औरत की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखते थे। मगर जैसे-जैसे वेस्टर्न देशों की चमक-धमक अपने देश तक पहुंची, अफेयर, बेवफाई का एक ट्रेंड शुरू हो गया। यूं तो बेवफाई करना इंसान के ऊपर निर्भर करता है, मगर आप ये मानेंगे कि आज के वक्त में बेवफाई का दौर ज्यादा ही बढ़ गया है। इस मामले में भारत के मेट्रो शहरों से ज्यादा छोटे शहर नंबर-1 पर हैं। तमिलनाडु का एक ऐसा ही शहर है, जिसने बेवफाई में दिल्ली-मुंबई को पीछे छोड़ दिया है। यहां सबसे ज्यादा बेवफा लोग रहते हैं। इस शहर का नाम जानकर आप चौंक जाएंगे।

ग्लोबल डेटिंग प्लेटफॉर्म Ashley Madison की ताज़ा रिपोर्ट तो यही संकेत देती है। यह वेबसाइट मुख्य रूप से विवाहित लोगों के लिए एक्स्ट्रा-मैरिटल संबंधों की तलाश में इस्तेमाल होती है, और इसके जून 2025 के आंकड़ों के अनुसार, भारत अब इसके सबसे तेज़ी से बढ़ते बाजारों में शामिल हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, तमिलनाडु का कांचीपुरम शहर भारत में सबसे अधिक साइनअप वाला स्थान बन गया है, जिसने दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों को पीछे छोड़ दिया है। गौर करने वाली बात यह है कि साल 2024 में कांचीपुरम का स्थान इस सूची में 17वां था, लेकिन अब यह पहले पायदान पर पहुंच गया है।

प्लेटफॉर्म ने इस तेज उछाल के पीछे कोई विशेष कारण नहीं बताया, लेकिन यह स्पष्ट है कि अब टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी विवाहेतर संबंधों की तलाश बढ़ रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के टॉप 20 जिलों में से नौ दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से हैं। दिल्ली के छह जिले- सेंट्रल दिल्ली (दूसरे स्थान पर), साउथ वेस्ट दिल्ली, ईस्ट दिल्ली, साउथ दिल्ली, वेस्ट दिल्ली और नॉर्थ वेस्ट दिल्ली- सूची में शामिल हैं। इनके अलावा, गुड़गांव, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) भी सूची में जगह बनाने में सफल रहे हैं।

चौंकाने वाली बात यह है कि मुंबई इस सूची से बाहर हो गया, जबकि जयपुर, रायगढ़ (छत्तीसगढ़), कामरूप (असम) और चंडीगढ़ जैसे शहरों ने प्रमुख स्थान हासिल किए हैं। गाजियाबाद और जयपुर, जो टियर-2 शहर माने जाते हैं, उन्होंने कई बड़े शहरी केंद्रों को पछाड़ दिया है। Ashley Madison ने स्पष्ट किया कि यह रैंकिंग केवल नए यूज़र साइनअप के आधार पर नहीं है, बल्कि इसमें यूज़र की एक्टिविटी, प्लेटफॉर्म पर समय बिताना, और एंगेजमेंट स्तर को भी शामिल किया गया है- ये सभी चीजें उस शहर में विवाहेतर संबंधों की प्रवृत्ति का संकेत देती हैं। इससे पहले अप्रैल में, एशले मैडिसन ने एक YouGov सर्वे के नतीजे साझा किए थे, जिसमें भारत और ब्राज़ील को विवाहित लोगों में सबसे ज़्यादा अफेयर करने वाले देश बताया गया था। भारत के 53 प्रतिशत वयस्क प्रतिभागियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने जीवन में कभी न कभी अफेयर किया है। Ashley Madison के चीफ़ स्ट्रैटेजी ऑफिसर पॉल कीबल ने कहा, यह डेटा एक बहुत ही चौंकाने वाला ट्रेंड दिखाता है, भारत अब मॉडर्न रिलेशनशिप्स को नए ढंग से परिभाषित कर रहा है। आधे से ज्यादा भारतीयों ने यह स्वीकार किया कि उन्होंने विवाहेतर संबंध बनाए हैं। भारत हमारे ग्लोबल मार्केट्स में छठे स्थान पर पहुंच गया है और इस साल के अंत तक इसके और ऊपर जाने की उम्मीद है। ऐसी हैरान करने वाली खबरें पढ़ने के लिए जुड़े रहें।

वनवास खत्म : मातोश्री में 13 साल बाद राज ठाकरे की एंट्री

» उद्धव–राज की बढ़ रही नजदीकियों से बीजेपी में खलबली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक दिलचस्प घटना घटी। मनसे प्रमुख राज ठाकरे शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे को उनके 65वें जन्मदिन पर बधाई देने मातोश्री पहुंचे। इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गयी है। जल्द ही महाराष्ट्र में निगम चुनाव है और इस मुलाकात को इन चुनावों से जोड़ कर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि यदि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे साथ आते हैं तो महाराष्ट्र की राजनीति में नए समीकरण बन जाएंगे। बीजेपी में इस मुलाकात को लेकर खलबली का महौल है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे सामान्य शिष्टाचार भेंट बताया है।

नई करवट लेती महाराष्ट्र की राजनीति

2005 में राज ने छोड़ दी थी शिवसेना

जनवरी 2019 में राज मातोश्री गए और उद्धव को अपने बेटे अमित की शादी का निमंत्रण सौंपा। जिसकी उसी महीने के अंत में शादी थी। राज ने दिसंबर 2005 में शिवसेना छोड़ दी थी और अगले साल मनसे का गठन किया था। राज ठाकरे ने शिवसेना छोड़ने के बाद दावा किया था कि उन्होंने मातोश्री से सम्मान मांगा था लेकिन अपमान मिला।

उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है। हमें इसे राजनीतिक रूप से क्यों देखना चाहिए। दरअसल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना मनसे के प्रमुख राज ठाकरे ने अपने चचेरे भाई और शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे के नेता उद्धव ठाकरे से रविवार को मुलाकात कर उन्हें उनके 65वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। राज दादर स्थित अपने आवास शिवतीर्थ से उद्धव के बांद्रा स्थित आवास मातोश्री पहुंचे। उद्धव ने अपनी पार्टी के सांसद संजय राउत के साथ मुंबई स्थित मातोश्री बंगले के प्रवेश द्वार पर अपने चचेरे भाई का स्वागत किया। राज ने उद्धव को लाल गुलाब का एक बड़ा गुलदस्ता भेंट किया।

बीजेपी में मची खलबली

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि चचेरे भाइयों के बीच हुई मुलाकात को कोई राजनीतिक महत्व नहीं दिया जाना चाहिए। फडणवीस ने नागपुर में संवाददाताओं से कहा कि दोनों की मुलाकात खुशी की बात है। इसे राजनीतिक नजरिए से क्यों देखा जाए वह राज ठाकरे जन्मदिन की बधाई देने गए थे। हमारी शुभकामनाएं भी उद्धव जी के साथ हैं। उद्धव ठाकरे ने पांच जुलाई को मुंबई में राज ठाकरे के साथ एक संयुक्त रैली में कहा था कि वह एवं मनसे प्रमुख साथ बने रहने के लिए एकजुट हुए हैं।

बिजली विभाग की लापरवाही ने ली मासूम फहद की जान

» लापरवाह सिस्टम, बेबस जनता, कौन जिम्मेदार?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में हर दिन कोई न कोई दर्दनाक घटना प्रशासनिक लापरवाही की कहानी कह जाती है। ऐसी ही एक हृदयविदारक घटना लखनऊ के कैसरबाग क्षेत्र की शंकरपुरी कॉलोनी में घटी, जहां बिजली विभाग की घोर लापरवाही के चलते 7 साल के मासूम मोहम्मद फहद कुरैशी की जान चली गई। फहद रोज़ की तरह कॉलोनी के पार्क में अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेल रहा था। खेल के दौरान बॉल ट्रांसफॉर्मर के पास जा गिरी, जो खुले गेट के साथ जमीन पर रखा था।

जैसे ही फहद बॉल उठाने गया, वह ट्रांसफॉर्मर की चपेट में आ गया और जोरदार करंट लगने से वहीं तड़पता रह गया। आस-पास के बच्चे चीखने लगे, मोहल्ले वाले दौड़कर आए, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बुरी तरह झुलसे फहद को उसके चाचा गोद में उठाकर सड़क तक लाए और ऑटो से अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम के पिता दुबई से वापस लौट आए हैं। बता दें यह हादसा सिर्फ एक तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि सीधे तौर पर लापरवाह सिस्टम की हत्या है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि ट्रांसफॉर्मर का गेट कई दिनों से टूटा हुआ था और इसकी शिकायत कई बार बिजली विभाग से की गई थी। मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में मातम है। विधायक रविदास मल्होत्रा और पार्षद कामरान बेग पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सुविख्यात व्यंग्यकार गोपाल चतुर्वेदी को बिम्ब कला केन्द्र ने दी श्रद्धांजलि

» सभा आयोजित कर किया याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की प्रतिष्ठित साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्था बिम्ब कला केन्द्र ने अपने मुख्य संरक्षक और प्रख्यात व्यंग्यकार गोपाल चतुर्वेदी के आकस्मिक निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए रविवार को लोहिया पार्क, गोमतीनगर में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस आयोजन में संस्था के साहित्यकारों, पदाधिकारियों और अन्य साहित्य प्रेमियों ने चतुर्वेदी जी के प्रति अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सभा की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि और गायक राजेश अरोरा शलभ ने चतुर्वेदी जी के बिम्ब कला केन्द्र से जुड़ने की स्मृति साझा करते हुए बताया कि 2008 में पद्मश्री के.पी. सक्सेना के जन्मदिवस समारोह में पहली बार वे संस्था के कार्यक्रम में शामिल हुए थे और उसी दिन संस्था के संरक्षक पद को स्वीकार किया। के.पी. सक्सेना के निधन के बाद उन्होंने मुख्य संरक्षक के रूप में न केवल जिम्मेदारी संभाली, बल्कि संस्था की गतिविधियों में सक्रिय मार्गदर्शन भी देते रहे। इस सभा का संचालन महासचिव महेश पांडेय ने किया। कार्यक्रम में समर्थ फाउंडेशन, नव परिमल, और अन्य साहित्यिक-सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित शामिल हुए। अंत में, गोपाल चतुर्वेदी और उनकी पत्नी स्व. निशा चतुर्वेदी के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर सभा का समापन किया गया।

बिहार में जदयू की सीटें होंगी कम!

» उदित राज का दावा- गठबंधन में सीटों को लेकर सिरफुटव्वल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के दिए बयानों पर हैरानी जताई। मंत्री की मंशा पर सवाल उठाते हुए उदित राज ने कहा कि चिराग एक ओर सत्ता का लाभ ले रहे हैं और दूसरी ओर नीतीश कुमार की सरकार पर हमला बोल रहे हैं जो संदेह पैदा करता है। उदित राज ने आरोप लगाये हैं कि चिराग पासवान लगातार अपने बयानों से नीतीश कुमार की इमेज खराब करने की कोशिश कर रहे हैं जिससे जदयू को विधानसभा चुनाव में कम सीटें मिलें।

यदि चिराग को बिहार में अपराध की स्थिति इतनी चिंताजनक लगती है तो वे एनडीए से इस्तीफा क्यों नहीं देते। उदित राज ने दावा किया कि चिराग की यह रणनीति सोची-समझी है। उन्होंने 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव का जिक्र किया, जब चिराग ने एनडीए से अलग होकर जदयू के खिलाफ उम्मीदवार उतारे थे, जिसके परिणामस्वरूप जदयू को उम्मीद से कम सीटें मिलीं और उसका वोट बैंक कमजोर हुआ। चिराग की मौजूदा आलोचना भी उसी रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार की छवि को नुकसान पहुंचाना और जदयू की सीटें कम करना है।

राजनीतिक दबाव बनाने की हो रही कोशिश

कांग्रेस नेता ने दावा किया है कि चिराग की यह रणनीति जदयू को कमजोर करने और अपनी पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), के लिए अधिक सीटें हासिल करने की है। उन्होंने इसे राजनीतिक दबाव की रणनीति करार दिया, जिसमें चिराग नीतीश कुमार पर हमला बोलकर एनडीए के भीतर अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं। तेज प्रताप यादव के स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने की घोषणा पर उदित राज ने कहा कि यह स्वाभाविक है। लोकतंत्र में ऐसी चीजें होती रहती हैं। यह कोई नई बात नहीं है; हजारों साल से परिवारों में मतभेद रहे हैं। सत्ता संघर्ष भी हमेशा से रहा है। अगर तेज प्रताप अलग से चुनाव लड़ने का फैसला करते हैं, तो इसमें बड़ी खबर क्या है? मुझे नहीं लगता कि यह कुछ असामान्य है।

भारत ने 7 बार 350+ रन करने का बनाया रिकार्ड

» इससे पहले आस्ट्रेलिया ने एक ही टेस्ट सीरीज में छुआ था छह बार यह आंकड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनचेस्टर। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त किया। इसी के साथ टीम इंडिया के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया। भारत एक ही टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा बार 350+ रनों का आंकड़ा छूने वाला देश बन गया है। इस मामले में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपने ही घर पर साल 1920-21 में इंग्लैंड के विरुद्ध एक ही टेस्ट सीरीज में छह बार 350+ रन बनाए।

इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने विदेशी सरजमीं पर इंग्लैंड के खिलाफ साल 1948 और 1989 में खेली गई सीरीज में इस कारनामे को दोहराया। दोनों बार ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में छह-छह दफा 350+ रन बनाए। भारत ने लीड्स में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में 471 और 364 रन बनाए थे। इसके बाद एजबेस्टन में टीम इंडिया ने पहली पारी में 587 रन बनाए, जबकि अगली इनिंग 427/6 के स्कोर पर घोषित की। फिर तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 387 रन जोड़े, जबकि अगली पारी में 170 रन पर सिमट गई। चौथे टेस्ट की पहली पारी में 358 रन बनाने के बाद भारत ने दूसरी इनिंग में चार विकेट खोकर 425 रन बनाए।

भारत ने ड्रा के लिए कड़ी मेहनत की : बेन स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स भारत द्वारा पारी ड्रॉ घोषित करने से इनकार करने पर नाराज थे। उन्होंने कहा कि मैच का परिणाम तय हो चुका था, इसलिए वह अपने शीर्ष गेंदबाजों को जोखिम में नहीं डालना चाहते थे। स्टोक्स ने अंतिम ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान चौथे टेस्ट को ड्रॉ घोषित करने की पेशकश की थी। लेकिन, रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर अपने शतकों के करीब पहुंच चुके थे। इसलिए भारत ने इंग्लैंड को तब तक गेंदबाजी करने के लिए मजबूर किया, जब तक कि दोनों ने अपने-अपने शतक पूरे नहीं कर लिए। इसके बाद स्टोक्स ने हैरी ब्रूक और जो रूट को गेंदबाजी की जिम्मेदारी दी, जिससे उनके तेज गेंदबाजों को आराम मिला। मैच के बाद स्टोक्स ने कहा, सारी मेहनत भारत ने की थी और नतीजा सिर्फ एक ही निकला।

उत्तराखंड से यूपी तक भक्तों के लहू में डूबी व्यवस्था!

मनसा देवी मंदिर में भगदड़ आधा दर्जन श्रद्धालुओं की मौत

यूपी के बाराबंकी स्थित अवसानेश्वर में मंदिर भगदड़ 2 की मौत, 20 घायल

करंट, कुचलन और चीखें बाराबंकी की रात भूलेंगे कैसे?

» उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन ने करंट की अफवाहों को सिरे से किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के हरिद्वार में स्थित प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह हुई भगदड़ में 6 लोगों की जान चली गई। बताया जा रहा है कि इस भगदड़ का कारण करंट लगने की अफवाह थी। हालांकि, उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन ने करंट की अफवाहों को सिरे से खारिज किया है।

उन्होंने कहा कि इस हादसे का कारण करंट लगना नहीं है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, उत्तर प्रदेश के बरेली के निवासी आरुष (12), रामपुर निवासी विक्की (18), बाराबंकी निवासी वकील और बदायूं निवासी शांति की मौत हुई है। इसके अलावा, बिहार के अररिया निवासी शकल देव (18) और उत्तराखंड के काशीपुर निवासी विपिन सैनी (18) भी मृतकों में शामिल हैं।

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़ पर उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन के अधीक्षण अभियंता प्रदीप चौधरी ने कहा, यह बहुत दुखद हादसा है। शुरुआत में ऐसी रिपोर्ट आई कि घटनास्थल पर लोगों को करंट लगा है। इसके बाद मौके पर हमारी टीम पहुंची और उन्होंने जांच की। यहां किसी भी तरह के करंट या झटके की कोई संभावना नहीं है, न ही ऐसी कोई खबर हमें मिली है। हादसे की वजह के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकते, लेकिन घटनास्थल पर करंट लगने की कोई संभावना नहीं है। इस बीच, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मनसा देवी भगदड़ मामले में जांच का आदेश दिया है और मृतकों-घायलों के लिए मुआवजे का भी ऐलान किया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि एक अफवाह के कारण मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में 6 लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए हैं। सभी घायलों को अस्पताल भेज दिया गया है और बचाव अभियान जारी है। ईश्वर मृतकों के परिवारों को यह दुख सहने की शक्ति दे। इस मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं और ये अफवाह क्यों फैली? इसकी जांच की जा रही है, जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घायलों की मदद के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

घायलों से मिले सीएम

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया, सीएम पुष्कर सिंह धामी आज दोपहर करीब 2 बजे हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़ में घायल हुए लोगों से मिलने हरिद्वार जिला अस्पताल जाएंगे और इलाज करा रहे घायलों को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। सीएम धामी ने मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे का भी ऐलान किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रदेश सरकार द्वारा मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए एवं घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही घटना के मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश भी दिए हैं।

» बिजली के तार टूटने से फैला करंट, मच गयी भगदड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी स्थित श्री अवसानेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आज बिजली का तार गिरने से एक दर्दनाक हादसा घटित हो गया। इस हादसे में दो लोगों की मौत और 20 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। अवसानेश्वर महादेव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को जलाभिषेक के दौरान यह हादसा हुआ।

देर रात करीब 2 बजे मंदिर परिसर में बिजली का तार टूटकर टीन शेड पर गिर गया, जिससे करंट फैल गया। इससे मची भगदड़ में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हादसे के बाद डीएम शशांक त्रिपाठी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) और अन्य आला अधिकारी मौके पर पहुंचे।

जिला मजिस्ट्रेट शशांक त्रिपाठी ने बताया कि कुछ बंदरों के बिजली के तार पर कूदने से तार टूट गया और मंदिर के टीन शेड में करंट फैल गया। इससे भीड़ में हड़कंप मच गया और भगदड़ हो गई। घायलों को तुरंत हैदरगढ़, त्रिवेदीगंज सीएचसी और बाराबंकी जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। सीएम योगी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में तेजी लाएं।

हर संभव मदद की कोशिश

मुख्यमंत्री योगी ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जान गंवाने वालों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और हर संभव मदद सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने तथा उनके समुचित इलाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद बाराबंकी स्थित श्री अवसानेश्वर महादेव मंदिर परिसर में एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। सीएम योगी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार एवं राहत कार्य में तेजी लाने हेतु निर्देशित किया है।

नक्सलियों पर अटैक, हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद

» ऑपरेशन मानसून के तहत कार्रवाई, बीजापुर में हुई मुठभेड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीजापुर। छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए ऑपरेशन मानसून चलाया जा रहा है। इस ऑपरेशन के तहत जवानों को बड़ी सफलता मिली है। बीजापुर जिले के दक्षिण पश्चिम जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच एनकाउंटर हो गया। इसमें दो महिला सहित 4 हार्डकोर नक्सली ढेर हो गए। मारे गए नक्सलियों पर कुल 17 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

फिलहाल सर्चिंग जारी है। यह मुठभेड़ बासागुड़ा और गंगलूर थाना क्षेत्रों के सरहदी इलाकों में हुई। नक्सलियों कैडर की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी और सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चलाया था। इलाके में सर्चिंग करने के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों में एनकाउंटर हो गया। इसमें 4 नक्सली ढेर हो गए।

नक्सल विरोधी अभियान के तहत सर्चिंग ऑपरेशन के दौरान ही जंगलों में छुपे नक्सलियों फायरिंग कर दी। इसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी क्रॉस फायरिंग की है। इसमें जवानों ने चार नक्सलियों को मार गिया है। सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख बाकी नक्सली मौके का फायदा उठाकर भाग गए।

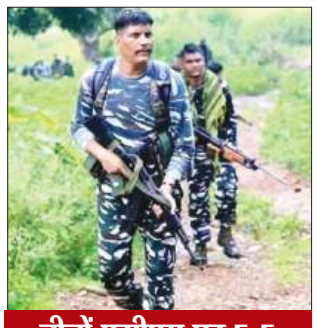

तीनों एसीएम पर 5-5 लाख और निहाल पर 2 लाख का था इनाम

मारे गए नक्सलियों की पहचान हुंगा (एसीएम, प्लाटून-10), लक्खे (एसीएम, प्लाटून-30), भीमे (एसीएम) और निहाल उर्फ राहुल (पार्टी सदस्य व गार्ड) के रूप में हुई है। तीनों एसीएम पर 5-5 लाख और निहाल पर 2 लाख का इनाम था। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल की तलाशी में भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। इनमें एसएलआर, इंसास, .303 रायफल, बीजीएल लॉन्चर, सिंगल शॉट, 12 बोर बंदूक और ग्रेनेड शामिल हैं। बीजापुर के एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि ऑपरेशन लगातार बारिश और दुर्गम जंगलों के बावजूद अंजाम दिया गया। बस्तर रेंज आईजी सुंदरराज पी ने इसे सुरक्षा बलों की रणनीतिक सफलता बताया। उन्होंने कहा कि पिछले 19 महीनों में बस्तर संभाग में 425 माओवादियों का सफाया हुआ है।

उत्तराखंड: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में डाले जा रहे हैं वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण का मतदान आज, 28 जुलाई 2025 को 12 जिलों के 40 विकासखंडों में हो रहा है। सुबह 8 बजे से शुरू हुआ यह मतदान शाम 5 बजे तक चलेगा।

इस चरण में 5,033 पदों के लिए 14,751 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, दूसरे चरण में ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, और जिला पंचायत सदस्यों के लिए कुल 5,033 पदों पर मतदान हो रहा है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने की पीएम मोदी से एसएसए फंड को जारी करने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने द्विभाषा नीति के प्रति प्रतिबद्धता जताते हुए केंद्र से समग्र शिक्षा योजना (एसएसए) के तहत राज्य के हिस्से की 2,100 करोड़ रुपये से अधिक की निधि जारी करने का आग्रह किया है।

सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार राज्य के वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक ज्ञापन सौंपकर यह मांग की है। इस ज्ञापन में सीएम स्टालिन ने कह है कि तमिलनाडु ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति एनईपी 2020 के त्रिभाषा फॉर्मूले पर अपने विचार स्पष्ट कर दिए हैं।

पुराने फार्मूले पर कायम रहेगी सरकार

राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह तमिल और अंग्रेजी के अपने दशकों पुराने द्विभाषा फॉर्मूले पर कायम रहेगी। राज्य सरकार की विज्ञप्ति के अनुसार मुख्यमंत्री ने ज्ञापन में कहा कि केंद्र द्वारा आवश्यक धनराशि स्वीकृत न करने से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित होता है।

सीएम स्टालिन की अपील

विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु को पीएम श्री समझौते (निधि के संबंध में) पर हस्ताक्षर करने के लिए बाध्य किए बिना प्रधानमंत्री से वर्ष 2024-25 के लिए 2,151.59 करोड़ रुपये का केंद्र का हिस्सा और 2025-26 की पहली किस्त जारी करने का अनुरोध किया है।

डिंपल पर टिप्पणी करने वाले मौलाना पर मुकदमा

विभूतिखंड थाने में दी तहरीर, मुकदमा दर्ज कर की जा रही कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंटरनेट मीडिया पर मैनपुरी सांसद डिंपल यादव पर टिप्पणी करने वाले मौलाना साजिद के खिलाफ तहरीर दी गई। आरोप है कि स्त्री विरोधी बाते कहीं है। इंस्पेक्टर विभूतिखंड सुनील कुमार सिंह ने बताया कि गोमतीनगर विकल्प खंड निवासी प्रवेश यादव की तहरीर पर मुकदमा दर्जकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पीड़ित प्रवेश यादव ने बताया कि वहां समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए हैं। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर देखा कि मौलाना साजिद ने सार्वजनिक मंच पर डिंपल यादव पर आपत्तिजनक अभद्र भड़काऊ व स्त्री विरोध टिप्पणी की गई है। जिससे एक महिला के व्यक्तित्व को ठेस पहुंची है। साथ ही लोगों को भड़काने का प्रयास किया गया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपित के खिलाफ धारा बीएनएस 79, 196, 197, 299, 352, 353 व आइटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच की जा रही है।

हजरतगंज थाना तहरीर लेकर सपा नेता इखलाख भी पहुंचे

दिल्ली के मौलाना साजिद रशीदी के द्वारा सपा सांसद डिंपल यादव पर की गई टिप्पणी को लेकर सपा नेता ने दी FIR की तहरीर मौलाना साजिद रशीदी पर एफआईआर दर्ज करने के लिए हजरतगंज कोतवाली में दी गई तहरीर सपा कार्यकर्ता इखलाख का कहना मौलाना साजिद रशीदी ने ना सिर्फ उनकी पार्टी की सांसद बल्कि एक महिला का भी अपमान किया है अमर्यादित टिप्पणी कर पूरे मुस्लिम समाज को शर्मसार किया है। अब देश संविधान से चलेगा। महिला का अपमान टोपी वाला करें या फिर तिलक वाला कार्रवाई सब पर होनी चाहिए। मौलाना का यह बयान महिला के सम्मान पर हमला है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।